

माध्यम से किसी वस्तु को पकवाना, पकाने में प्रवृत्त होना या करना।

पकाई स्त्री. (देश.) 1. पकाने की क्रिया या भाव 2. किसी वस्तु को पकाने का मेहनताना या मजदूरी।

पकाना स.क्रि. (तद्.) 1. अग्नि के ताप से किसी सामग्री को तैयार करना, गलाना, नरम करना उबालना जैसे- मिट्टी के बरतन पकाना 2. फोड़ा, फुंसी की सूजन को बढ़ाकर उसको पकने की स्थिति में लाना 3. पुष्ट करके अनाज, फल आदि को पकने की अवस्था तक पहुँचाना, किसी बात को पक्का कर लेना।

पकाव पुं. (तद्.) पकने का भाव या स्थिति, (मवाद पड़ने की दशा) फलों का पकाव, फोड़े फुंसी का पकाव, फसल का पकाव।

पकौड़ा पुं. (देश.) घी या तेल में तलकर अथवा पकाकर फुलाई गई बेसन या पिट्ठी की बड़ी।

पकौड़ी स्त्री. (देश.) घी या तेल में तलकर या पकाकर फुलाई गई बेसन या पिट्ठी की छोटी बड़ी।

पक्कण पुं. (तत्.) चांडाल की झोंपड़ी या घर 2. चांडालों की बस्ती।

पक्का वि. (देश.) 1. घी या तेल में पका हुआ अन्न, पका खाने योग्य फल 2. भरोसेमंद अर्थात् पक्का मित्र 3. मंजा हुआ, सिद्ध पुरुष 4. विषमताहीन, निपुण, निष्णात, पक्का, पंडित 5. मजबूत या प्रौढ़ता को प्राप्त जैसे- पक्की छत, पक्की लकड़ी 6. पूर्णता को प्राप्त यथा- पक्का गवाह, पक्का चोर, पक्का मित्र, पक्का धूर्त 7. स्वास्थ्य-रक्षक, जैसे- पक्का पानी 8. पक्का खाना-घी या तेल में तला हुआ (पक्की रसोई) 9. पक्का काम, शुद्ध चाँदी-सोने के तारों से कढ़ाई किया हुआ काम। 10. असंदिग्ध वैधानिक पक्का काम, पक्का खाता, पक्का कागज, पक्की रजिस्ट्री 11. पक्का गाना-शास्त्रीय संगीत की पद्धति का गाना 12. पक्का रंग-न छूटने वाला पक्का रंग 13. पक्का ईमानदार, हिसाब किताब लेन-देन में पक्का।

पक्खर स्त्री. (देश.) दे. पाखर वि. पक्का, दृढ़, प्रखर, तीक्ष्ण, तेज, प्रचंड।

पक्तपौड पुं. (तत्.) पखौड़ा नाम का एक पेड़,

पक्तव्य वि. (तत्.) पकाने लायक, पकाने-योग्य।

पक्ता वि. (तत्.) पकाने वाला पुं. (तत्.) जठराग्नि।

पक्ति-नाशन वि. (तत्.) पाचन-क्रिया को खराब करने वाला।

पक्ति-स्थान पुं. (तत्.) वह स्थान जहाँ भोजन पचता है; आमाशय, वे अंग जो पचाने की क्रिया करते हैं।

पक्त्रिम वि. (तत्.) 1. पक्व, पका हुआ 2. पकाया हुआ 3. उबालने से प्राप्त या पकाने से प्राप्त जैसे- नमक।

पक्व वि. (तत्.) 1. पका हुआ 2. पक्का 3. परिपुष्ट, दृढ़ 4. सँका हुआ या पकाया हुआ 5. अनुभवी, 6. पूर्णतः विकसित 7. श्वेत, सफेद।

पक्वकृत पुं. (तत्.) 1. पकाने वाला या पाककर्ता, व्यक्ति 2. नीम।

पक्वकेश पुं. (तत्.) पके हुए (श्वेत) बालों वाला (व्यक्ति)।

पक्वता स्त्री. (तत्.) पक्कापन या पका होने की स्थिति, दशा या भाव।

पक्वरस पुं. (तत्.) पकाया हुआ रस अथवा शराब, सुरा, मद्य, मदिरा।

पक्ववारि पुं. (तत्.) कांजी।

पक्वश पुं. (तत्.) 1. एक असभ्य तथा अंत्यज जाति 2. चांडाल।

पक्वातिसार पुं. (तत्.) अतिसार का एक भेद, आमाशय से पक्वाशय में जाने वाले अन्न से उत्पन्न होने वाला अतिसार रोग।

पक्वाधान पुं. (तत्.) पेट में पाचन संस्थान का वह भाग जहाँ आहार पचता है, आमाशय, जठर, पक्वाशय।